HCV-001-001305 Seat No. _____

B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

October / November – 2017

Hindi : Paper-V

(Hindi Ka Nari Chetna Sampan Kavya - "Kitne Prashn Karu") (Core) (Optional) (Old Course)

Faculty Code : 001
Subject Code : 001305

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं ।

(२) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर दिये गये हैं ।

१ बहुविध रचनाकारा ममता कालिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए । १४

अथवा

१ ''कितने प्रश्न करूँ'' के आधार पर सीता के चरित्र की समीक्षा कीजिए । १४

२ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

२ सिद्ध कीजिए कि ''कितने प्रश्न करूँ'' एक सफल खण्डकाव्य है । १४

३ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य के इतिहास बोध की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

३ विविध संदर्भो के आधार पर 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए । १४

४ 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में निरूपित स्त्रीवादी चिंतन पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

४ ''' 'कितने प्रश्न करूँ' में ममता कालिया ने 'रामायण' के कथाफलक पर आधुनिक नारी जीवन की त्रासदी को निरूपित किया है ।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए । १४

५ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं **दो**) १४

(१) ''कितने प्रश्न करूँ'' खण्डकाव्य के राम ।

(२) ''कितने प्रश्न करूँ'' खण्डकाव्य की भाषा–शैली ।

(३) ''कितने प्रश्न करूँ'' शीर्षक की सार्थकता ।

(४) ''कितने प्रश्न करूँ'' में मिथक ।